बुजुर्गों के लिए...

श्री शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर की बालिकाएँ आनन्द वृद्धाश्रम में आवासी बुजुर्ग को राखी बाँधते हुए

आशीर्वाद –

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार –

श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा – श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

तारांशु

मासिक

अगस्त, 2014

वर्ष 3, अंक 1, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

मूल्य – 5 रुपये

श्री शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर की बालिकाओं द्वारा
आनन्द वृद्धाश्रम में मनाए गए राखी समारोह की विविध झलकियाँ

महत्त्वपूर्ण सूचना

तारा संस्थान में हमें कुछ दानदाताओं के फोन आए कि ''सर्वोदय मानव सेवा संस्थान'' नामक संस्थान से, जो उदयपुर हिरण मगरी में ही है, उन्हें फोन आया और दान के लिए कहा गया और उन्हें यह भी कहा गया कि ''सर्वोदय मानव सेवा संस्थान'' भी मेरे पिताजी कैलाश जी 'मानव' से ही जुड़ी है। हम यह बताना चाहते हैं कि यह जानकारी पूर्णतया असत्य है। सर्वोदय मानव सेवा का नारायण सेवा संस्थान, तारा संस्थान या डॉ. कैलाश जी 'मानव' से कोई संबंध नहीं है। अतः कृपया इस तरह के गलत फोन काल पर ध्यान न दें। पता करने पर ज्ञात हुआ कि श्री नन्द किशोर जी या नंदू काका ने सर्वोदय मानव सेवा के लिए इस तरह के काल किये थे। नंदू काका व सर्वोदय मानव सेवा के पदाधिकारियों को हमने गलत जानकारी देने के लिए मना कर दिया है।

कल्पना गोयल,
अध्यक्ष, तारा संस्थान

अनुक्रमणिका

विषय		पृष्ठ क्रमांक
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल आनन्द वृद्धाश्रम में राखी पर्व	–	*02*
अनुक्रमणिका	–	*03*
मेरे पापा	–	*04*
तारा.... मेरी नजर में	–	*05*
गौरी योजना	–	*06*
तृप्ति योजना	–	*07*
आनन्द वृद्धाश्रम से	–	*08*
मोतियाबिन्द जाँच – चयन शिविर	–	*09–12*
अतिथियों का स्वागत – सम्मान	–	*13*
मन: स्थिति ठीक	–	*14*
असहाय महिला सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र	–	*15*
दानदाताओं का अभिनन्दन	–	*16*
Tara Contacts	–	*17*
We are grateful to our Donors	–	*18*
Procedure to make Donation	–	*19*

आशीर्वाद – डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक – नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश 'मानव' की सन्निधि में,

तारांशु मासिक, अगस्त, 2014

'तारांषु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाषित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाष कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित,
सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

मेरे पापा....

अभी जून माह में फादर्स डे आया था वैसे तो हमारी संस्कृति में फादर्स–डे, मदर्स–डे के ज्यादा मायने नहीं होते हैं लेकिन भारत में तो सारी संस्कृतियों का समावेश है और हमारे Old Age होम में भी फादर डे भारत विकास परिषद् द्वारा मनाया गया.... हर बेटी के लिए उसके पापा बहुत ही खास होते हैं लेकिन मुझे लगता है कि मेरे पापा आदरणीय डॉ. कैलाश जी 'मानव' को ईश्वर ने खास काम करने के लिए चुना था और बस हम लोग तो उनके बताए रास्ते पर चल पड़े।

जब से मैंने होश संभाला, पापा को बहुत Busy पाया.... सुबह 5 बजे उठ जाना, फिर तैयार होना, और मुझे और प्रशांत को पढ़ाई के लिए उठाना उनकी Morning Walk से आने के बाद फिर उनके ऑफिस जाने के पहले तक नारायण सेवा के काम.... शाम को 5.15 बजे ऑफिस से घर और वापस मम्मी को लेकर कभी हॉस्पीटल तो कभी कोई काम.... और हमारे घर का एक कमरा पूरा कपड़ों के भरा हुआ और जो कमरा मेरा और मेरे भाई का था उसमें घी के कार्टुन जिसपर गद्दा लगा कर उसे बिस्तर बना दिया... और फिर वो Saturday जब हम गैरेज को धोते जिसमें Sunday को सत्तु बनाना होता था, फिर पापा के मित्रों का सत्तू को सेकना.... बड़ी सी कढ़ाई में और हम कॉलोनी के बच्चे मिलकर उसके 1500 ग्राम के पैकेट बनाते और फिर... एक बस जो Sunday सुबह 7 बजे आ जाती उसमें सभी घरों से इकट्ठी की हुई दवाइयाँ, सत्तु के पैकेट बहुत सारे, घरों से इकट्ठे किए हुए कपड़े और स्व. डॉ. आर. के. अग्रवाल सा. व अन्य एक डॉक्टर, नर्स, हम बच्चे....

कैम्प में आने वाले आदिवासियों को सत्तू देना.... बच्चों को नहलाकर, नाखून काटकर नये कपड़े पहनाना.... ये कुछ यादे हैं जो हम कभी नहीं भूल सकते हैं.... मेरे पापा के साथ को लेकर इतनी यादें हैं कि उन्हें एक साथ बताना संभव नहीं लेकिन अगर एक शब्द में उन्हें कहना हो तो बस ''कर्मयोगी''.... यही उचित है।

शेष फिर कभी....

कल्पना गोयल

तारा... मेरी नजर में...

लगभग तीन साल पहले मुझे प्रिय कल्पना ने फोन कर बताया था कि हम ''तारा संस्थान'' के नाम से बुजुर्गों के लिए कुछ करना चाह रहे हैं और हम चाहते हैं कि तारा संस्थान के मुख्य संरक्षक आप बनें... मैंने हाँ कर दी.... तारा संस्थान का पहला आँखों का अस्पताल उदयपुर में खुला तो मैं उद्घाटन में नहीं जा पाया। मैंने दीपेश से बोला भी था कि तुम लोग नया प्रकल्प शुरू कर रहे हो तो थोड़ा संभल कर चलना लेकिन कल्पना अपने पिता परम श्रद्धेय डॉ. कैलाश 'मानव' की तरह से है.... तो उसने जब अगले साल बताया कि हम दिल्ली में भी आँखों का एक अस्पताल खोलने जा रहे हैं तो थोड़ा अचरज हुआ.... और मन में थोड़ी सी चिंता भी.... लेकिन मैंने कासगंज, उत्तर प्रदेश में एक कैम्प कराया था जिसमें 800 से ऊपर की ओ.पी.डी. हुई थी और 160 से ऊपर रोगियों के मोतियाबिन्द के ऑपरेशन आगरा ले जाकर ''तारा'' के कार्यकर्त्ताओं ने करवाए थे। सो मुझे कल्पना और दीपेश की योग्यता पर संदेह नहीं था....

दिल्ली तारा नेत्रालय के उद्घाटन पर अपनी अर्धांगिनी पुष्पा के साथ गया तो बहुत सुकुन हुआ कि हॉस्पीटल अच्छा था और डॉक्टर भी बहुत योग्य थे, पर कैसे चलेगा ये भी लगता था क्योंकि उदयपुर से इतनी दूर हॉस्पीटल खोलकर हिम्मत की थी.... समय समय पर हॉस्पीटल की प्रगति लेता रहा.... जितने कैम्प और ऑपरेशन वहाँ हो रहे थे वो आश्चर्य करने वाले थे....

ईश्वर हमेशा सही नीयत से काम करने वालों का साथ देता है यही लगा....

अगले साल तारा नेत्रालय, मुम्बई खुला.... वहाँ भी गरीब बुजुर्गों को नेत्र ज्योति मिल रही है....

मार्च महीने में पुष्पा के साथ उदयपुर जाने का अवसर मिला। वहाँ पर तारा नेत्रालय के अलावा गौरी व तृप्ति योजना के लाभार्थियों और आनन्द वृद्धाश्रम के बुजुर्गों से मिला.... यही लगा कि दुनिया में इतना इतना दर्द है.... सबसे ज्यादा द्रवित गौरी योजना की उन छोटी छोटी बच्चियों ने किया जो 22, 25 या 30 साल की उम्र में अपने पति को खो चुकी हैं और दो–दो, तीन–तीन छोटे–छोटे बच्चे हैं जिन्हें तारा के द्वारा 1000 रु. मिलते है प्रतिमाह.... जो 1000 रु. हमारे बच्चे दोस्तों के साथ एक सिनेमा में खर्च कर देते हैं उस 1000 रु. से ये बच्चियाँ अपने बच्चों की पढ़ाई के सपने बुनती हैं... मन में विचार आया कि इन विधवा महिलाओं के बच्चों की पढ़ाई का खर्च प्रभु कृपा से हम उठा लें। दिल्ली में जून माह में कल्पना और दीपेश से मिला जिसके परिणाम स्वरूप 3 जुलाई को मेरी और पुष्पा की शादी की सालगिरह पर ''शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल'' प्रारंभ हुआ। एक ऐसा स्कूल जहाँ विधवा महिलाओं के बच्चे निःशुल्क पढ़ेंगे....

तारा ने इन 3 वर्षों में जो भी कुछ किया उसमें मैं अपनी तरफ से जो भी संभव हो योगदान दे रहा हूँ.... लेकिन मेरे अकेले से कुछ नहीं होता यदि आप सब अपना सहयोग नहीं देते.... मैं बतौर मुख्य संरक्षक पूर्णतया संतुष्ट हूँ। सभी दानदाताओं का आभार भी व्यक्त करता हूँ कि आप सबने इन बच्चों पर यकीन किया और बहुत से जरूरतमंद बुजुर्ग.... और अब बच्चे सुखी हो रहे हैं....

आपका अपना

नगेन्द्र प्रकाश भार्गव

गौरी योजना

हेमलता राजपूत, आयु 32 वर्ष, आवरी माता, कच्ची बस्ती, उदयपुर की रहने वाली है। ये विकलांग है। इनके पति ने इन्हें तलाक दे दिया है। ये अपने 6,8,11 वर्ष के तीन बच्चों के साथ अपने पिता पर आश्रित है। इनके पिता भी एक्सीडेंट से अक्षम होने के कारण कोई काम धन्धा नहीं कर पा रहे। स्वयम् और बच्चों का भरण – पोषण हेमलता के लिए बहुत बड़ी समस्या बन गया। कहीं से कोई सहारा नहीं। जब इनकी परेशान हालत की तारा संस्थान को जानकारी मिली, तो संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल ने इन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपया नकद सहायता देना प्रारम्भ किया। यह राशि हेमलता राजपूत के बैंक खाते में प्रतिमाह सीधे जमा करवाई जा रही है। इस आंशिक सहायता से इन्हें कुछ राहत मिली है।

श्रीमती राधा सोनी, माल्दास स्ट्रीट, उदयपुर में रहती है। इनकी आयु 35 वर्ष है। इनके 15 व 17 वर्ष को दो बच्चे हैं। इनके पति श्री पुष्कर लाल सोनी का ब्लडकैंसर से निधन हो गया। इनके ससुराल वाले इन्हें अपने पास नहीं रखते हैं और न ही कोई सहायता करते हैं। ये किराये के कमरे में जैसे–तैसे गुजर–बसर कर रही हैं। इनकी आजीविका का कोई सहारा नहीं है। दयनीय स्थिति में है। तारा संस्थान को जानकारी मिलने पर इन्हें गौरी सेवा योजना के अन्तर्गत 1000 रुपया प्रतिमाह आर्थिक सहायता देना प्रारम्भ किया गया है।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

तृप्ति योजना

रोडी बाई डांगी, 65 वर्षीया असहाय वृद्धा है। ये कातनवाड़ा, सराड़ा, जिला – उदयपुर की रहने वाली है। इनके कोई सन्तान नहीं है। वृद्धावस्था के कारण ये मजदूरी भी नहीं कर पाती। दो समय भोजन की व्यवस्था का भी कोई सहारा नहीं है। इन्हें राहत पहुँचाने की दृष्टि से तारा संस्थान ने इन्हें तृप्ति योजना के अन्तर्गत प्रतिमाह खाद्य सामग्री सहायता पहुँचाना प्रारम्भ किया है। इस सहायता से रोडी बाई को भरपेट भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित हो गई है।

रामलाल मीणा, कातनवाड़ा, तहसील – सराड़ा, जिला – उदयपुर के निवासी है। इनकी पत्नी भी विकलांग है। दोनों पति – पत्नी बड़ी मुश्किल से अपना गुजारा कर रहे है। कई बार इन्हें भोजन के अभाव में भूखे ही सोना पड़ता है। विकलांग होने के कारण ये कोई सार्थक मजदूरी भी नहीं कर पा रहे हैं। इनकी दयनीय स्थिति पर विचार करके तारा संस्थान ने इनका तृप्ति योजना में चयन किया है और अब इन्हें प्रतिमाह खाद्य सामग्री सहायता पहुँचाई जा रही है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है।
आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

ढलता दिन मजबूर सही,
चढ़ता सूरज मजबूर नहीं,
रात के राही थक मत जाना,
सुबह की मंजिल दूर नहीं।

नये आवासी

ऐसा क्यों होता है, कि जिन बच्चों की परवरिश के लिए माता–पिता सह्य कष्ट उठाते हैं, वे ही बच्चे युवा होने पर, अपनी गृहस्थी बसाने पर उन माता–पिता को बोझ समझने लगते हैं और उनसे छुटकारा पाने के लिए तरह–तरह की शारीरिक–मानसिक यन्त्रणाएँ देते हैं। समाज के सामने यह एक बहुत बड़ी चुनौती है। क्या, है इसका कोई समुचित समाधान या प्रभावी निदान और निराकरण?

इस बार हम आपका परिचय वृद्धाश्रम के नये आवासी दम्पती श्री हेमराज पौद्दार (63 वर्ष) एवं श्रीमती प्रेम पौद्दार (61 वर्ष) निवासी – कोलकाता से करवा रहे हैं। पौद्दार दम्पती के 2 पुत्र और 2 पुत्रियाँ हैं। पुत्रियाँ व एक पुत्र विवाहित हैं। श्री हेमराज पौद्दार ने बेग बनाने का व्यवसाय करके अपने बच्चों की परवरिश की और उनका घर बसाया। 2 वर्ष पूर्व अस्वस्थ होने पर उन्हें बाई–पास सर्जरी करवानी पड़ी। सर्जरी से पूर्व इन्होंने अपनी पुश्तैनी जमीन बेच कर प्राप्त हुए 5–6 लाख रुपये प्राप्त किए व बड़े बेटे को दे दिए। लेकिन, ऑपरेशन के समय बहु–बेटे ने इन्हें चिकित्सा–उपचार हेतु पैसा देने से मना कर दिया और ऑपरेशन के बाद अपने पास रखने से भी मना कर दिया। असहाय पौद्दार दम्पती को अपने किसी ओड़िशा निवासी मित्र से तारा संस्थान की जानकारी मिली। सम्पर्क करने पर इन्हें यहाँ आने का प्रस्ताव दिया और जून, 2014 से पौद्दार दम्पती आनन्द वृद्धाश्रम में निःशुल्क सुविधाओं के साथ आश्रय पाकर आराम से रह रहे हैं।

वृद्धाश्रम आवासियों का श्रीनाथ मन्दिर, नाथद्वारा में भ्रमण

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा निःशुल्क हैं।

मोतियाबिन्द ऑपरेशन से लाभान्वित रोगी

श्रीमती पूंजी बाई, उदयपुर

श्री नाथू जी, उदयपुर

श्री दिलबाग, दिल्ली

श्रीमती बचनी देवी, दिल्ली

श्री हरजीत, मुम्बई

श्री अरविन्द, मुम्बई

श्री नाथू जी, उदयपुर

श्रीमती संकरी बाई, उदयपुर

मोतियाबिन्द जाँच –ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से – 28 जून, 2014 से 30 जुलाई, 2014 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, दिल्ली में आयोजित शिविर

दिनांक	सौजन्यकर्त्ता			कुल ओ.पी.डी.	चयनित
14.07.2014	फैंसी फैषन सूट पॉइन्ट, चाँदनी चौक, दिल्ली – 06	एवं	अनिता कुमारी पीतमपुरा, दिल्ली – 34	211	9

मोतियाबिन्द जाँच–चयन–शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर – 151000 रु.
चश्मा जाँच – चश्मा वितरण – दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर – 21000 रु.

दानदाताओं के सौजन्य से आयोजित शिविरों के विवरण व फोटोग्राफ्स

चिकित्सक द्वारा जाँच

श्री सुरेन्द्र, विजेन्द्र, मदन मोहन, राकेष मित्तल, निर्माण विहार, दिल्ली

दिनांक : 28.06.2014, स्थान : विकास मार्ग, दिल्ली – 92

ओपीडी : 212, चयनित रोगी : 07, चष्मे : 148, दवाई : 205

दान–दाताओं का अभिनन्दन

श्रीमती सुषमा धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, माताश्री – श्री पीयुष, पंकज जैन, दिल्ली

दिनांक : 29.06.2014, स्थान : नारायणा, नई दिल्ली

ओपीडी : 600, चयनित रोगी : 08, चष्मे : 350, दवाई : 550

षिविर में समागत अतिथि

श्रीमती चमेली देवी जैन (संरक्षिका)

दिनांक : 07.07.2014, स्थान : गाँधीनगर, दिल्ली – 31

ओपीडी : 510, चयनित रोगी : 12, चष्मे : 432, दवाई : 510

चिकित्सक द्वारा जाँच

श्रीमती संगीता शेट्टी, निवासी – बैंगलोर

दिनांक : 13.07.2014, स्थान : अजबरा, तहसील – सराड़ा, उदयपुर (राज.)

ओपीडी : 130, चयनित रोगी : 04, चष्मे : 25, दवाई : 78

रोगियों का नेत्र परीक्षण

श्री अभिषेक – श्रीमती मनीषा श्रीवास्तव, निवासी – वाराणसी (यू.पी.)

दिनांक : 16.07.2014, स्थान : गाँव – जेवाणा, तह. – मावली, उदयपुर (राज.)

ओपीडी : 135, चयनित रोगी : 06, चष्मे : 25, दवाई : 100

रोगियों का पंजीकरण

श्रीमती दर्षनीदेवी (देवकीमाता) धर्मपत्नी स्व. लाला वीरसैन जैन, दिल्ली

दिनांक : 21.07.2014, स्थान : चावड़ी बाजार, दिल्ली – 06

ओपीडी : 310, चयनित रोगी : 10, चष्मे : 180, दवाई : 300

दानदाताओं के सौजन्य से आयोजित शिविरों के विवरण व फोटोग्राफ्स

अतिथियों का सम्मान

श्रीमती मनोरमा जी धवल, बसन्त विहार, दिल्ली

दिनांक : 23.07.2014, स्थान : रोहिणी, दिल्ली

ओपीडी : 167, चयनित रोगी : 05, चष्मे : 75, दवाई : 160

षिविर में उपस्थित सहयोगी

बड़ौदा शक्ति चैरिटेबल

दिनांक : 29.07.2014, स्थान : कोलीवाड़ा, मुम्बई – 37

ओपीडी : 268, चयनित रोगी : 39, चष्मे : 128, दवाई : 150

HAPPY BIRTHDAY

श्री सत्यभूषण जैन के जन्मदिवस के अवसर पर उनके सौजन्य से आयोजित षिविर में केक काटते श्री जैन

दिनांक : 19.07.2014, स्थान : विकास मार्ग, दिल्ली – 92, ओपीडी : 231, चयनित रोगी : 12, चष्मे : 100, दवाई : 220

डॉ. साहिब सिंह वर्मा की स्मृति में शिविर

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा 30 जून, 2014 को हस्तसल गाँव, नई दिल्ली में पूजनीय स्वर्गीय डॉ. साहिब सिंह वर्मा की पुण्य स्मृति में निःशुल्क नेत्र परीक्षण – मोतियाबिन्द जाँच – ऑपरेशन हेतु चयन – बधिर रोगियों की जाँच – श्रवण यन्त्र वितरण के शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 1250 रोगी उपस्थित हुए, जिनमें से 30 रोगियों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन हुआ। शेष में से 700 रोगियों को चश्मे, 1200 को दवाइयाँ एवं 22 रोगियों को श्रवण यन्त्र वितरित किए गए। चयनित रोगियों के तारा नेत्रालय, नवादा, उत्तम नगर में मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए।

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

षिविर में रजिस्ट्रेषन कराते नेत्र रोगी

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
27 जुलाई, 2014	गुरुद्वारा श्री गुरुनानक दरबार, डोंगरीपारा, जी.बी. रोड, ठाणे	140	13	27	46

इस शिविर में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान उदयपुर , दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

तारा संस्थान द्वारा संचालित गौरी योजना के अन्तर्गत लाभान्वित विधवा महिलाओं को दान-दाता के सौजन्य से साड़ियाँ भेट की गईं।

तुम्हारे प्यार की कसम, तुम्हारा गम है मेरा गम, न यू बुझे बुझे रहो, जो दिल की बात है कहो
जो मुझसे भी छुपाओगे तो फिर किसे बताओगे, मैं कोई गैर तो नहीं दिलाऊँ किस तरह यकीं,
कि तुम से मैं जुदा नहीं, मुझसे तुम जुदा नहीं।

तारा नेत्रालय, मुम्बई में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री दीपेश मित्तल, श्रीमती इन्द्रा जाजोदिया, श्रीमती कल्पना गोयल तारा नेत्रालय, मुम्बई में

श्री परेश जी एवं पुत्र तारा नेत्रालय, मुम्बई में

श्री लक्खी बत्रा, मुम्बई

'तारा संस्थान' की संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल व मुख्य कार्यकारी श्री दीपेश मित्तल 'तारा नेत्रालय', मुम्बई में स्टाफ के साथ केक काटते हुए।

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री बसन्ती लाल कोठारी, उदयपुर एवं श्री रमेश जैन, बैंगलोर

श्रीमती कुसुम जी जैन, असम

''मनः स्थिति ठीक–परिस्थिति ठीक''

मेरा सहपाठी विकलांग था। उसके अच्छे स्वभाव व शालीनता के कारण हम अंतरंग मित्र थे। वह गरीब परिवार से था 1966–67 की बात है, उनके परिवार को गरीबी ने इस कदर घेर लिया कि भोजन के भी लाले पड़ गये। पिता–पुत्र ने काम की तालाश में शहर जाने की योजना बनाई। इसके लिए उन्होंने बड़े भाई की पत्नी से तीन घड़ा अन्न माँगा, जिससे एक महीने गुजारा चल जाए। उसने तीन घड़ा अन्न दे दिया, जिसमें उसके अपने गहने भी चले गये।

कुछ समय बाद याद आया, जिस पर वह अपने गहने माँगने लगी। उसकी माता ने स्पष्ट इंकार कर दिया। एक दिन मेरे सहपाठी की नजर उन गहनों पर गई, जिन्हें उसका पिता बेचना चाहता था। उसने अपने पिता को समझाया व गहने वापिस देने की बात पर अड़ा रहा। कोई चारा न देख वह रात को छुप कर अपनी ताई के पास सारी बातें बतलाने चला गया। पिता भी लोक लाज व डर के कारण उन गहनों को देने के लिए पीछे–पीछे पहुँच गये। मेरे सहपाठी ने गरीबी – लाचारी में भी पिता को समझाया व खुद निडर रहते हुए अपनी ताई को सच बता दिया। उसने अनुकरणीय कार्य व आदर्श स्थापित किया। और एक तरफ हम सम्पन्न होते हुए भी दूसरों का हक हड़पने व बेईमानी को तैयार रहते हैं। सही मायने में मेरा दोस्त विकलांग नहीं, हम विकलांग हैं, हमारी सोच विकलांग है। काश! हम अपनी मानसिकता बदलें।

प्रस्तुति
नवलकिशोर गुप्ता, समाज सेवक, फरीदाबाद,

हमारा इम्तहान लेने के लिए जिंदगी में कभी जीत की खुशियाँ आती हैं, तो कभी गम मिलते हैं। यह हम पर निर्भर है कि उनका सामना कैसे करें। जीत कोशिश किए बिना नहीं मिलती।

जीव विज्ञान (Biology) के एक अध्यापक अपने छात्रों को पढ़ा रहे थे कि सूँड़ी (Caterpillar) तितली में कैसे बदल जाती है। उन्होंने छात्रों को बताया कि कुछ ही घंटों में तितली अपनी खोल से बाहर निकलने की कोशिश करेंगी। उन्होंने छात्रों को आगाह किया कि वे खोल से बाहर निकलने में तितली की मदद न करें। इतना कह कर वह कक्षा से बाहर चले गए।

छात्र इंतजार करते रहे। तितली खोल से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करने लगी। छात्र को उस पर दया आ गई। अपने अध्यापक की सलाह न मान कर उसने खोल से बाहर निकलने की कोशिश कर रही तितली की मदद करने का फैसला किया। उसने खोल को तोड़ दिया, जिसकी वजह से तितली को बाहर निकलने के लिए और मेहनत नहीं करनी पड़ी। लेकिन वह थोड़ी ही देर में मर गई।

वापस लौटने पर शिक्षक को सारी घटना मालूम हुई। तब उन्होंने छात्रों को बताया कि खोल से बाहर आने के लिए तितली को जो संघर्ष करना पड़ता है, उसी की वजह से उसके पंखों को मजबूती और शक्ति मिलती है। यह प्रकृति का नियम है। तितली की मदद करके छात्र ने उसे संघर्ष करने का मौका नहीं दिया। नतीजा यह हुआ कि वह मर गई।

अपनी जिंदगी पर भी यही उसूल लागू कीजिए। जिन्दगी में कोई भी कीमती चीज संघर्ष के बिना नहीं मिलती। माँ–बाप अपने बच्चों को शक्ति हासिल करने के लिए संघर्ष करने का मौका नहीं देते। इस तरह वे जिन्हें सबसे अधिक चाहते हैं उन्हीं को नुक़सान पहुँचा बैठते हैं।

''तारा नेत्रालय'' मुम्बई में मोतियाबिन्द ऑपरेशन से लाभान्वित प्रथम रोगी बन्धु

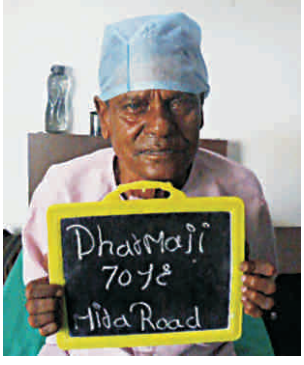

श्री धर्माजी पुत्र श्री कमल पाटिल, राजीव गाँधी नगर, श्मशान भूमि के पास, पेणकर बस्ती रूम नं. 5, बिल्डिंग नं. 5, पोस्ट मीरा रोड, जिला – ठाणे, तारा नेत्रालय, पेणकर वाडा, मैं श्री धर्मा जी कमल पाटिल उम्र 70 में इतना खुशी से उत्साहित हूँ। यह खुशी मैं आप सब के साथ बांटना चाहता हूँ। मुझे मेरी आँखों से बहुत कम दिखाई देता था। यहाँ मैंने बहुत इलाज किया, लेकिन कोई फर्क दिखाई नहीं दिया। मैं गरीब किसान हूँ। इसलिये मैं आगे इलाज के लिये नहीं बढ़ पाया। एक दिन मेरे लड़के ने आकर कहा कि आप घबराओ नहीं यहीं पास में आँखों का हॉस्पीटल खुल रहा है। मैं मेरे लड़के के साथ तारा नेत्रालय हॉस्पीटल गया। वहाँ मेरी आँखों का चेकअप किया और दिनांक 21.10.2013 को मेरा ऑपरेशन हुआ। डॉक्टर और वहाँ का स्टाफ ने मेरा बहुत ध्यान रखा और सहयोग किया, ऑपरेशन बिल्कुल निःशुल्क था। एक भी पैसा मेरा खर्च नहीं हुआ।

आपका विष्वासु
धर्मा जी कमल पाटिल

असहाय महिला स्वावलम्बन की दिशा में एक सार्थक पहल

असहाय महिला सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र हावड़ा में प्रशिक्षण प्राप्त महिला

पत्थर बहुत सारे

उड़ रहे हैं अब हवा में, पर बहुत सारे झुक रहे हैं, पाँव में अब सर बहुत सारे,
क्या वजह थी कोई थी, ये जान न पाया बस्तियों में, जल रहे हैं घर बहुत सारे,
एक दो हों तो मुनासिब, सामना कर लें, जिन्दगी के सामने हैं डर बहुत सारे,
हो नहीं पाया नफ़े का कोई भी सौदा एक तनख्वाह, और उस पर कर बहुत सारे,
एक आँधी, एक तूफा, एक है बारिश इक दिलासा हैं, यहाँ छप्पर बहुत सारे,
इल्तिजायें सब अंधूरी ही रही आखिर, एक मजनूं और हैं पत्थर बहुत सारे,
चल रहे हैं राह में रंगीन ले हसरत चुभ रहे हैं, पाँव में कंकर बहुत सारे

मोतियाबिन्द ऑपरेषन एवं वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्धों के लिये आर्थिक सहयोग देने वाली श्रीमती रतनदेवी जैन, श्री रतनलाल प्रकाष चन्द्र, कचहरी रोड़, पोस्ट – डालटनगंज (झारखण्ड) के प्रति तारा संस्थान की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएँ।

वक्त था, साए भी थे, आज परछाई भी नहीं।
महफिलें थी, मीत भी थे, आज तन्हाई भी नहीं।
चांद था, सितारे भी थे, आज एक दिया भी नहीं।
कसमें थी, वादे भी थे आज रुसवाई भी नहीं।
मुस्कानें थी, कहकहे थे, आज आँसू भी नहीं
वक्त था, तो सब ही थे, वक्त नही तो कोई भी नहीं।

कभी बन के बूँद पानी की बादलों से गिरती हूँ। कांपती हूँ, डरती हूँ, यूं ही सहमी फिरती हूँ। क्या पता किधर जाऊँ?
सोख ले मुझे माटी या नहर में घुल जाऊँ। काश! ऐसा भी हो कि सीप कोई खाली हो, एक बूँद बन के भी मोती में बदल जाऊँ।

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री मोहिन्दर सैनी, जालन्धर

श्री भूषण लाल मेहता, जालन्धर

श्रीमती तृप्ता भाटिया, लुधियाना

श्री उमेश अग्रवाल, वाराणसी

श्री रामसागर पाण्डे, इलाहाबाद

श्री आनन्द प्रकाश सिंह, मिर्जापुर

श्री गिरीश चन्द्र गुप्ता, पीलीभीत एवं श्रीमती सावित्री देवी गुप्ता, लखनऊ

तृप्ति योजना सेवा

(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 माह - 1500 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 वर्ष - 18000 रु.

श्री राजेश सिंह, जयपुर (राज.)

श्री रमेश भाई शाह, विलेपार्ले (मुम्बई)

श्री बिपिन बी. शाह, भावनगर

श्री नरेन्द्र नाथ जैन, आगरा

श्री सुरेश जिरावला, हलोल (गुजरात)

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation
Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office
Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post,
Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09870088688
Shri Bharat Menaria Cell : 08879199188

Delhi Office
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar,
Delhi - 59
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Office
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 08866219767 (Guj.)
09829906319 (Raj.)

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रतिबुजुर्ग) 01 माह – 5000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006, 09414473392

Shri Dinesh Taneja
Barelly (UP)
Cell : 09412287735

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR),
09001864783

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 09660153806,
09649999540

Shri Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 08882662492,
09602554991

Shri Sanjay Choubisa
Shri Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 09602506303, 09887839481

गौरी योजना सेवा
(प्रति विधवा महिला सहायता) 01 माह – 1000 रु., 06 माह – 6000 रु., 01 वर्ष – 12000 रु.

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Mahaveer Prasad & Mrs. Manjula Jain
Jhalawad (Raj.)

Mr. Harmohan Singh & Mrs. Manjit Kaur Minhas
Ramamandi, Jalandhar (Punjab)

Mr. Netra Singh & Mrs. Sumati Rawat
Aasampur, Meerut

Mr. Avtar Singh Sehmbey with Wife
Jalandhar (Punjab)

Er. G.P. Agrawal & Mrs. Vidya Devi
Alwar (Raj.)

Mr. Shreepal & Mrs. Saroj Jain
Jaipur (Raj.)

Mr. Surendra Kumar & Mrs. Mitlesh Sharma
Dhuri - Sangrur (Punjab)

Mr. Subhash Jain & Mrs. Shashi Jain
Alwar (Raj.)

Mr. Brijmohan & Mrs. Sushila Chauhan
Khalegaon, Devas (MP)

Mr. Devendra Parikh & Mrs. Neela Ben Parikh
Mumbai (MH)

Mr. G.D. Goel & Mrs. Krishna Goel
Kota (Raj.)

Mr. Rang Vishnu & Mrs. Shanti Vishnu
Patna, Bihar

Mr. Bajrang Lal Gajabi & Mrs. Pista Devi
Ichchhalikaran

Mr. N.P. & Mrs. Saraswati Sharma
Chhindwara (MP)

Mr. Abhishek & Mrs. Minisha Shrivastav
Varanasi (UP)

Mr. Suresh Chandra & Mrs. Annapurna Agrawal
Allahabad

Mr. Bisarbar Dayal
Surat (Guj.)

Mrs. Suman Singh
Jaipur (Raj.)

Lt. Mr. Mohan Lal Mutha
Bangalore, Karnatak

Mr. Mahaveer Chand Mutha
Banglore

Mr. Prem Chand with Sons, Alwar (Raj.)

Mr. Ajit Kumar Jain
Chhindwara (MP)

Mr. Aanand Prakash Singh
Mirzapur (UP)

Mr. Dinesh Kumar Mishra
Gorakhpur

Mr. Hukam Chand Goyal
Bathinda

Mr. Shiv Shankar Agrawal
Bhopal (MP)

Mr. Kaisar Devi
Surat (Guj.)

ईद के उपलक्ष्य में नये कपड़ों में मुस्कुराती बशीरन बाई (आनन्द वृद्धाश्रम आवासी)

किसी ने मुझसे पूछा कैसे हो
मैंने हंस कर कहा जिंदगी में गम है
गम में दर्द है, दर्द में मजा है
और मैं.... बिल्कुल मजे में हूँ।

जीत और हार
आपकी सोच पर ही निर्भर करती है
मान लो तो हार होगी
और ठान लो तो जीत होगी

जीत और हार का किसको पता
मन ने जो कहा, होगा जो वही
मन के हारे तो हार, मन के जीते तो जीत

Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels

'Paras'
8.20 PM
to 8.40 PM

'Ashtha Bhajan'
8.40 AM
to 9.00 AM

'Colors'
7.00 AM
to 7.15 AM
USA Time

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 — **IFS Code : icic0000045**
SBI A/c No. 31840870750 — **IFS Code : sbin0011406**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645 — **IFS Code : IBKL0001166**
Axis Bank A/c No. 912010025408491 — **IFS Code : utib0000097**
HDFC A/c No. 12731450000426 — **IFS Code : hdfc0001273**
Canara Bank A/c No. 0169101056462 — **IFS Code : cnrb0000169**
Central Bank of India A/c No. 3309973967 — **IFS Code : cbin0283505**

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org
Pan Card No. Tara - AABTT8858J

TARA NETRALAYA

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59

DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya
+91 9560626661, 011-25357026

TARA NETRALAYA

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA

MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya
Shankar Singh Rathore +91 8452835042
022 - 28480001

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, अगस्त, 2014

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 माह - 1500 रु.
06 माह - 9000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.

गौरी योजना सेवा
(प्रति विधवा महिला सहायता)
01 माह - 1000 रु.
06 माह - 6000 रु.
01 वर्ष - 12000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 5000 रु.
06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन, आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFS Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8.20 से 8.40 बजे	'आस्था भजन' प्रात: 8.40 से 9.00 बजे	'कलर्स' प्रात: 7.00 से 7.15 बजे यू.एस.ए समय

बुक पोस्ट

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org